शासकीय मानकुँवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स /शोध	कक्षा : स्नातक	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: **संस्कृत**			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A4-SANS1D**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**काव्य तथा साहित्य शास्त्र (**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव – I
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्य इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी ने संस्कृत विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो। 1. [illegible] 2. छंदों का ज्ञान कराना। 3. साहित्य शास्त्रीय तत्त्वों की जानकारी प्रदान कराना। 4. साहित्य शास्त्र के नियमों से परिचित कराना। 5. काव्य परीक्षण की तकनीकि का ज्ञान।
6	क्रेडिट मान	04
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	1. दशकुमारीचरितम्– आचार्य दंडीकृत (अष्टम उच्छवास) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) 2. मेघदूतम् (पूर्व मेघ) महाकवि कालिदास कृत (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
द्वितीय	1. कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) महाकवि कालिदास कृत 2. रत्नावली नाटिका (सम्पूर्ण) श्रीहर्ष कृत (उक्त दोनों रचनाओं से व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
तृतीय	साहित्यशास्त्रीय संप्रदाय (परिचयात्मक प्रश्न)	12
चतुर्थ	काव्य प्रकाश– प्रथम एवं द्वितीय उल्लास (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
पंचम	दशरूपकम् (आचार्य धनंजय कृत), प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: काव्य, शास्त्र, सम्प्रदाय, रूपक

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. संस्कृत महाकाव्य की परंपरा– केशवराव मुसलगावकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. दशरूपक– केशवराव मुसलगावकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
3. रत्नावली नाटिका– राजेश्वर शास्त्री मुसलगावकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. रत्नावली नाटिका– तारिणीश झा, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, प्रयागराज।
5. दशकुमारचरितम्– (अष्टम उच्छवास) एम.आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. मेघदूतम्– (पूर्वमेघ) तारणीश झा, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, प्रयागराज।
7. कुमार सम्भवम्– (प्रथम सर्ग) डॉ. धनन्जय कुमार त्रिपाठी, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।
8. काव्य प्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

ment of Higher Education